कुछ ना बिगड़ेगा तेरा | By Tripty Shakya |

चाहने वालो से अपने वो नहीं कुछ दूर है
जिनके नैनो में समाया माँ अम्बे का नूर है

कुछ ना बिगड़ेगा तेरा माँ की शरण आने के बाद
हर ख़ुशी मिल जायेगी चरणों में झुक जाने के बाद

सत्य की मंज़िल के राहीं कष्ट पाते हैं ज़रूर
बीज फलता है सदा मिटटी में मिल जाने के बाद
हर ख़ुशी मिल जायेगी चरणों में झुक जाने के बाद

प्रेम कर बन्दे सदा तू मैया के संसार से
सूखी बगिया भी खिलेगी मौसम बदल जाने के बाद
हर ख़ुशी मिल जायेगी चरणों में झुक जाने के बाद

जब तलक है भेद मन में कुछ नहीं कर पायेगा
रंग लाएगा ये साधन भेद खुल जाने के बाद
हर ख़ुशी मिल जायेगी चरणों में झुक जाने के बाद

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%9b-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-tripty-shakya/